ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

अमृतवेला

भारत में कहते हैं – 'जितना कायदा उतना फायदा।' तो ये जो कायदे बने हुए है, नियम बने हुए है उसको कभी भी मिस नहीं करना है। देखो, आपके भक्त अभी तक आपका नियम पालन कर रहे हैं। चाहे मंदिर में मन नहीं भी लगे तो भी जायेंगे जरूर। यह किससे सीखे? आप लोगों ने सिखाया ना! सदैव यह अनुभव करो कि जो भी मर्यादायें वा नियम बने है, उसको बनाने वाले हम है। आपने बनाया है या बने हुए मिले है? लां-मेकर्स हो या नहीं? **अमृतवेले उठना – यह आपका मन मानता है या बना हुआ है इसलिए इस पर चलते हो – आप स्वयं अनुभव करते, चलते हो या डायरेक्शन या नियम बना हुआ है इसलिए चलते हो? आपका मन मानता है ना! तो जो मन मानता है, वह मन ने ही बनाया ना! कोई मजबूरी से तो नहीं चल रहे हो – करना ही पड़ेगा। सब मन को पंसद है ना? क्योंकि जो खुशी से किया जाता है उसमें बंधन नहीं लगता है।**

AMRITVELA

It is said in India - 'The more the principles, the more the benefit'. So , you should never miss the rules and regulations that have been made . Look , your devotees are still following your rules. They will definitely go to the temple even if they do not feel like. From whom did they learn this ? You people has taught them, didn't you? Always feel that we were the makers of whatever principles or rules that have been made. Have you made it or have you got it ready made ? Are you the law makers or not ? **Waking up at Amrit vela - This is what your mind believes or you follow it just because it has been made - You yourself experience and move according to that, or do you move because of a direction or a rule has been made ? Your mind agrees, doesn't it? So, whatever the mind believes , it is the mind that created it, isn't it? You are not moving out of compulsion, as if you have to do it. Everything is liked by the mind, isn't it ? Because there is no feeling of bondage for the things that is being done with pleasure.**

बाबा का महामन्त्र

"मनमनाभव"

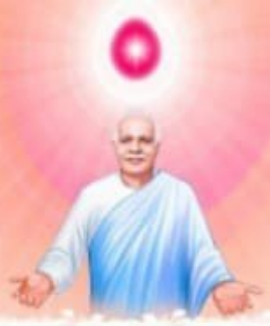

अव्यक्त शिक्षाएँ

खुशी की प्वाइंट्स का मनन कम करते हैं। अगर मनन सारा दिन चलता रहे तो अमृतवेले भी वही मनन किया हुआ खज़ाना सामने आने से खुशी होगी तो सुस्ती नहीं आयेगी। लेकिन सारा दिन मनन कम होता है उस समय मनन करने की कोशिश करते हैं तो मनन नहीं होता है क्योंकि बुद्धि फ्रेश नहीं होती है। फिर न मनन होता, न अनुभव होता, फिर सुस्ती आती है। अमृतवेले को शक्तिशाली बनाने के लिए सारे दिन में भी, श्रीमत मिलती है उसी प्रमाण चलना बहुत आवश्यक है तो सारा दिन मनन करते चलो। ज्ञान रत्नों से खेलते चलो तो वही खुशी की बातें याद आने से नींद चली जायेगी और खुशी में ऐसे ही अनुभव करेंगे जैसे अभी प्राप्ति की खान खुल गई। तो जहाँ प्राप्ति होती है वहाँ नीद नहीं आती है। जहाँ प्राप्ति नहीं वहाँ नींद आती वा थकावट होती है वा सुस्ती आती है। प्राप्ति के अनुभव में रहो, उसका कनेक्शन है सारे दिन के मनन पर।

अ.बापदादा-10.11.83

महादानी वह है जिसके संकल्प और बोल द्वारा सबको वरदानों की प्राप्ति हो।

Sakar Murli - 16-9-2005

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

"यह यज्ञ मनइच्छित फल देगा"

Dadi Prakashmani Ji..

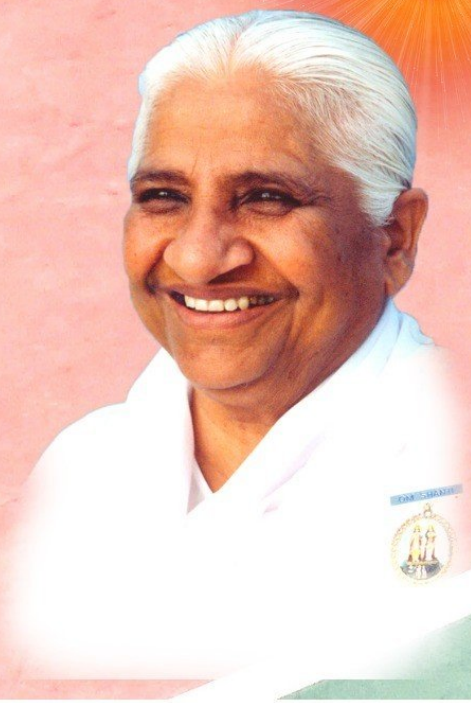

यज्ञ माना स्वाहा, अपने पुराने संस्कारों को स्वाहा करो। माया भले नाचे कूदे, उसके नाचने पर मुझे नहीं नाचना है। बाबा मैं तो आपका हूँ, आपका ही रहूंगा... जब इस यज्ञ में अपना सबकुछ स्वाहा करेंगे तब यह यज्ञ मनइच्छित फल देगा।

बापदादा को सभी को बन्धनमुक्त, जीवनमुक्त बनाना ही है

बापदादा- 21.11.1998

1. सतयुग में या मुक्तिधाम में मुक्ति व जीवनमुक्ति का अनुभव नहीं कर सकेंगे। मुक्तिजीवनमुक्ति के वर्से का अनुभव अभी संगम पर ही करना है। जीवन में रहते, समय नाज़ुक होते, परिस्थितियाँ, समस्यायें, वायुमण्डल डबल दूषित होते हुए भी इन सब प्रभाव से मुक्त, जीवन में रहते इन सर्व भिन्न-भिन्न बन्धनों से मुक्त एक भी सूक्ष्म बन्धन नहीं हो - ऐसे जीवन मुक्त बने हो? वा अन्त में बनेंगे? अब बनेंगे या अन्त में बनेंगे?

2. बापदादा अभी से स्पष्ट सुना रहे हैं, अटेन्शन प्लीज़। हर एक ब्राह्मण बच्चे को बाप को बन्धनमुक्त, जीवनमुक्त बनाना ही है। चाहे किसी भी विधि से लेकिन बनाना जरूर है। जानते हो ना कि विधियाँ क्या हैं? इतने तो चतुर हो ना! तो बनना तो आपको पड़ेगा ही। चाहे चाहो, चाहे नहीं चाहो, बनना तो पड़ेगा ही। फिर क्या करेंगे? (अभी से बनेंगे) आपके मुख में गुलाबजामुन। सबके मुख में गुलाबजामुन आ गया ना। लेकिन यह गुलाबजामुन है - अभी बन्धनमुक्त बनने का। ऐसे नहीं गुलाबजामुन खा जाओ।

ओम् शान्ति

Even for a small situation of life, you can choose to drain yourself for months, weeks or days.

But the wise and the awakened drop it in seconds without clinging.

BRAHMA KUMARIS

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org